खंड १२ संख्या ५

बिहार विधान सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि २७ मार्च, १९५७।

विषय-सूची

	पृष्ठ
अतारांकित प्रश्नोत्तर	१—३१८
अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर	३१९—३२१
तारांकित प्रश्नोत्तर	३२१—३३७
विधान कार्य : सरकारी विधेयक :	
बिहार लोकल सेल्फ-गवर्नमेन्ट एन्ड सेस (अमेंडमेंट) बिल, १९५७ (१९५७ की वि० सं० ४)—(स्वीकृत)।	३३८—३४१

*जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के पहले ऐसा (*) चिन्ह लगा दिया गया है।

Vol. XII **No. 5**

THE BIHAR LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES.

Wednesday, the 27th March, 1957.

CONTENTS.

	PAGES.
Unstarred Questions and Answers	1—318
Short Notice Questions and Answers	319—321
Starred Questions and Answers	321—337
Legislative Business : Official Bill :	
The Bihar Local Self-Government and Cess (Amendment) Bill, 1957 (Bill No. 4 of 1957)—[*Passed*].	338—341

*An asterisk (*) has been affixed against the names of those Ministers and Members who have not corrected their speeches.

माध्यमिक विद्यालय में लिये जानेवाले हाई स्कूलों की संख्या ।

१३० । श्री लक्ष्मी नारायण सिंह—क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) द्वितीय पंचवर्षीय योजना में किन-किन हाई स्कूलों को उच्च माध्यमिक विद्यालय बनाने की योजना है;

(२) उक्त पंचवर्षीय योजना में सन् १९५६-५७ में कौन-कौन ऐसे विद्यालय माध्यमिक विद्यालय बनाये जायेंगे ?

श्री बदरीनाथ वर्मा—(१) यह प्रश्न अभी विचाराधीन है ।

(२) प्रश्न ही नहीं उठता है ।

१९५४–५५ में बहाल किये गये शिक्षकों की संख्या ।

१३१ । श्री महावीर चौधरी—क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) पटना जिला शिक्षा योजना समिति के द्वारा १९५४ तथा १९५५ में कुल कितने शिक्षक बहाल किये गये और उनमें हरिजन कितने हैं;

(२) क्या हरिजन शिक्षक सरकार के नियुक्ति विभाग के आदेशानुसार बहाल किये गये, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री बदरीनाथ वर्मा—(१) पटना जिला शिक्षा योजना समिति द्वारा १९५४ तथा १९५५ में ३९१ शिक्षक बहाल किये गये थे जिनमें ५७ हरिजन हैं ।

(२) हरिजन शिक्षकों की बहाली नियुक्ति विभाग दिनांक १३ नवम्बर १९५३ के ९९०८ संख्यक संकल्प के अनुसार होती है । पटना जिले में नियुक्त हरिजन शिक्षकों की संख्या उनके लिये सुरक्षित स्थान (कोटा) से अधिक ही है ।

गैर सरकारी पुस्तकालय को सहायता ।

१३२ । श्री शरत दास—क्या शिक्षा मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सरकार ने गैर सरकारी पुस्तकालय चलाने के लिये स्थायी आर्थिक सहायता देने का विचार किया है, यदि हां, तो वह सहायता किस प्रकार दी जायगी;

(२) क्या यह बात सही है कि कुछ पुस्तकालय को रेडियो भी दिया जा रहा है;

(३) क्या यह बात सही है कि रेडियो के लिये कुछ रकम भी ली जाती है, यदि हां, तो कितनी;

(४) क्या सरकार हरिजन तथा आदिवासियों के मामले में रेडियो की कीमतलेने में रियायत करना चाहती है, यदि नहीं, तो क्यों ?